DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

19 June, 2024

प्रोटेम स्पीकर

संदर्भ: *18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से 3 जुलाई तक चलेगा, जिसके दौरान सदन के नए अध्यक्ष का चुनाव किया जाना है।*

➢ **प्रोटेम स्पीकर क्या होता है ?**

- **भूमिका:** प्रोटेम स्पीकर अस्थायी रूप से लोकसभा के अध्यक्ष के कर्तव्यों का पालन करता है, जब तक कि नया अध्यक्ष नहीं चुना जाता।
- **परिभाषा:** 'प्रोटेम' का अर्थ है 'फिलहाल' या 'अस्थायी रूप से'।

➢ **अध्यक्ष के कर्तव्य:**

- **पीठासीन अधिकारी**: लोकसभा की दिन-प्रतिदिन की कार्यवाही की देखरेख करता है।
- **संवैधानिक प्रावधान**: अनुच्छेद 94 में कहा गया है कि अध्यक्ष नई लोकसभा की पहली बैठक से ठीक पहले तक पद पर बना रहेगा।

➢ **प्रोटेम स्पीकर का चयन**

- **नियुक्ति**: राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा के सदस्यों में से चुना जाता है।
- **हैंडबुक संदर्भ:** 'संसदीय कार्य मंत्रालय के कामकाज पर हैंडबुक' प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति और शपथ ग्रहण की प्रक्रिया को रेखांकित करती है।

➢ **प्रोटेम स्पीकर के कर्तव्य**

- **शपथ दिलाना**: प्राथमिक कर्तव्य नए सांसदों को शपथ दिलाना है।
- **अनुच्छेद 99:** प्रत्येक सदस्य को अपना स्थान ग्रहण करने से पहले शपथ या प्रतिज्ञान लेने और उस पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता होती है।

➢ **प्रोटेम स्पीकर के चयन की प्रक्रिया**

- **सूची तैयार करना**: सरकार का विधायी अनुभाग वरिष्ठतम लोकसभा सदस्यों की सूची तैयार करता है।
- **अनुमोदन:** सूची अनुमोदन के लिए संसदीय कार्य मंत्री या प्रधानमंत्री को प्रस्तुत की जाती है।
- **राष्ट्रपति की स्वीकृति:** राष्ट्रपति प्रोटेम स्पीकर और तीन अन्य सदस्यों को शपथ दिलाने के लिए नियुक्त करते हैं।

➢ **नए सांसदों को शपथ दिलाना:**

- **प्रधानमंत्री की स्वीकृति**: संसदीय कार्य मंत्री द्वारा चयनित सदस्यों की सहमति प्राप्त की जाती है।
- **राष्ट्रपति की स्वीकृति**: नियुक्तियों और शपथ ग्रहण की तिथि और समय के अनुमोदन के लिए राष्ट्रपति को एक नोट प्रस्तुत किया जाता है।
- **अधिसूचना**: मंत्रालय प्रोटेम स्पीकर और अन्य सदस्यों को उनकी नियुक्तियों के बारे में सूचित करता है।
- **शपथ ग्रहण समारोह:** राष्ट्रपति प्रोटेम स्पीकर को शपथ दिलाते हैं, जो उसके बाद अन्य तीन नियुक्त सदस्यों की मदद से नव निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाते हैं।
- **समय:** सत्र सुबह 11 बजे शुरू होता है, और प्रोटेम स्पीकर का शपथ ग्रहण आमतौर पर उसी दिन सुबह 9:30 बजे होता है, जो राष्ट्रपति की सुविधा पर निर्भर करता है।

गंगा के वर्तमान मार्ग के बदलने की आशंका

संदर्भ: *एक नए अध्ययन के अनुसार, लगभग 2,500 वर्ष पहले आए एक शक्तिशाली भूकंप के कारण गंगा नदी का वर्तमान मार्ग बदल सकता है।*

➢ **प्रभाव और परिमाण:**

- शोधकर्ताओं का अनुमान है कि भूकंप की तीव्रता 7 या 8 थी।
- भूकंप के कारण नदी ने अपना पिछला मार्ग छोड़ दिया और अब बांग्लादेश में एक नया मार्ग बना लिया।
- इस तरह के विच्छेदन से बड़े पैमाने पर बाढ़ आ सकती है और नदी के मार्गों में महत्वपूर्ण परिवर्तन हो सकते हैं।

➢ **भूकंपीय रूप से सक्रिय निचले इलाकों के लिए खतरे:**

- भूकंप से प्रेरित विच्छेदन भूकंपीय गतिविधि से ग्रस्त निचले इलाकों के लिए एक महत्वपूर्ण लेकिन कम पहचाना जाने वाला खतरा है।
- यदि इसी तरह का भूकंप आता है तो बंगाल बेसिन में विनाशकारी प्रभाव हो सकते हैं।

➢ **नदी के मार्ग बदलने (विच्छेदन) के कारण**

- **तलछट का भार और बाढ़:** उच्च तलछट भार नदी के तल को भर सकता है, जिससे नदियों को बाढ़ के दौरान नए मार्ग खोजने के लिए मजबूर होना पड़ता है।
- **मानवीय गतिविधियाँ:**
- इंजीनियरिंग समाधान जलमार्गों को बाधित कर सकते हैं, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है।
- **उदाहरण**: 2008 में, भारत में कोसी नदी ने 120 किलोमीटर से अधिक अपना मार्ग बदल दिया, जिससे 3 मिलियन लोग विस्थापित हो गए और 250 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई।

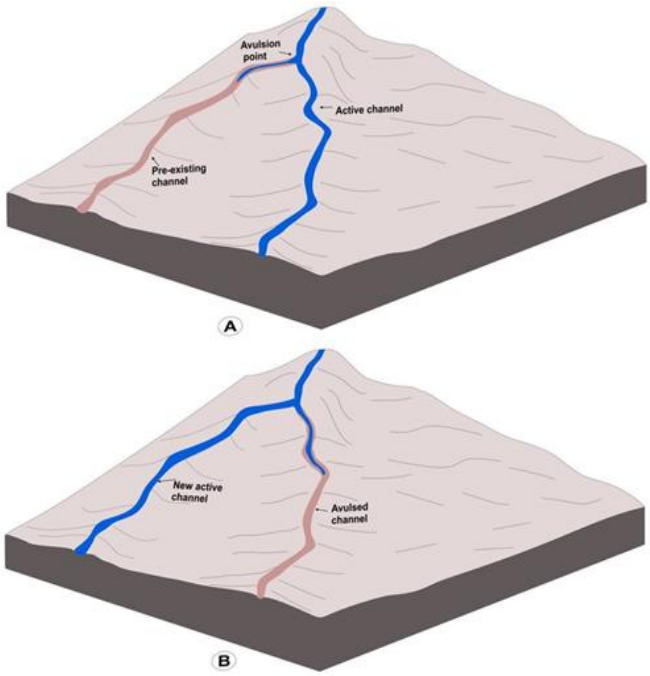

➢ **भूकंप से प्रेरित विच्छेदन**

- तात्कालिक प्रकृति: क्रमिक परिवर्तनों के विपरीत, भूकंप के कारण होने वाला विच्छेदन लगभग तुरंत हो सकता है।
- **शोध निष्कर्ष:**
- पहले यह माना जाता था, कि भूकंप गंगा जैसी बड़ी नदी डेल्टा में विच्छेदन को प्रेरित कर सकता है।
- सहस्राब्दी-पैमाने के पुनर्निर्माण से प्राप्त साक्ष्य संकेत देते हैं कि भूकंप ने अमेरिका में न्यू मैड्रिड भूकंपीय क्षेत्र और भारत में कच्छ के रण जैसे क्षेत्रों में नदी चैनल ज्यामिति को प्रभावित किया है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

ढाका के पास पूर्व मुख्य चैनल

➢ **पहचान और विश्लेषण:**

- उपग्रही इमेज ने ढाका से 100 किमी दक्षिण में नदी के संभावित पूर्व मुख्य चैनल की पहचान की।
- पुराना चैनल, जो अब एक निचला क्षेत्र है, यहाँ अक्सर बाढ़ आती है और चावल की खेती को प्रभावित करता है।

➢ **मैदानी अवलोकन:**

- उत्खनन से मिट्टी की क्षैतिज परतों को काटते हुए हल्के रंग की रेत की ऊर्ध्वाधर बांधों का पता चला, जिन्हें सीस्माइट्स के रूप में जाना जाता है।
- रासायनिक विश्लेषणों ने लगभग 2,500 साल पहले एक महत्वपूर्ण भूकंप के कारण होने वाले अवक्षेपण और चैनल इनफिलिंग की तारीख बताई।

निहितार्थ और भविष्य के जोखिम

शोध अंतर्दृष्टि: बांग्लादेश का डेल्टा, अपनी टेक्टोनिक गतिविधि और गतिशील नदियों के साथ, टेक्टोनिक और नदी चैनल इंटरैक्शन के लिए एक अनूठा अध्ययन क्षेत्र प्रदान करता है।

➢ **संभावित भविष्य के भूकंप:**

- 2016 के एक अध्ययन ने सुझाव दिया कि इस क्षेत्र में फिर से समान तीव्रता का भूकंप आ सकता है, जिससे संभावित रूप से 140 मिलियन लोग प्रभावित हो सकते हैं।
- बड़े भूकंपों के दीर्घकालिक आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव हो सकते हैं।

अन्य जोखिमग्रस्त क्षेत्र: दुनिया भर में टेक्टोनिक रूप से सक्रिय अवसादी घाटियों में स्थित अवसादी घाटियाँ, जिनमें चाओ फ्राया (थाईलैंड), कोलोराडो (अमेरिका), कॉपर (अलास्का), फ्रेजर (कनाडा), सिंधु, तथा चीन की यांग्त्ज़ी और येलो नदियाँ शामिल हैं, भी भूकंपीय गतिविधियों के कारण जोखिम में हैं।

प्रत्यक्ष कर संग्रह

संदर्भ: वित्त वर्ष 2024-25 में प्रत्यक्ष कर संग्रह के अनंतिम आंकड़े वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि की तुलना में 20.99% की वृद्धि दर्शाते हैं।

- वित्त वर्ष 2024-25 के लिए शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 4,62,664 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 20.99% की वृद्धि दर्शाता है।
- **शुद्ध संग्रह का विवरण:**
  - रिफंड के बाद निगम कर (सीआईटी) ने 1,80,949 करोड़ रुपये का योगदान दिया।
  - प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) सहित व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) ने रिफंड के बाद 2,81,013 करोड़ रुपये का योगदान दिया।
- वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह कुल 5,15,986 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2023-24 से 22.19% की वृद्धि दर्शाता है।
- वित्त वर्ष 2024-25 में अग्रिम कर संग्रह 1,48,823 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 27.34% की वृद्धि दर्शाता है।
- वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान जारी किए गए रिफंड की राशि 53,322 करोड़ रुपये थी, जो वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 33.70% की वृद्धि दर्शाती है।

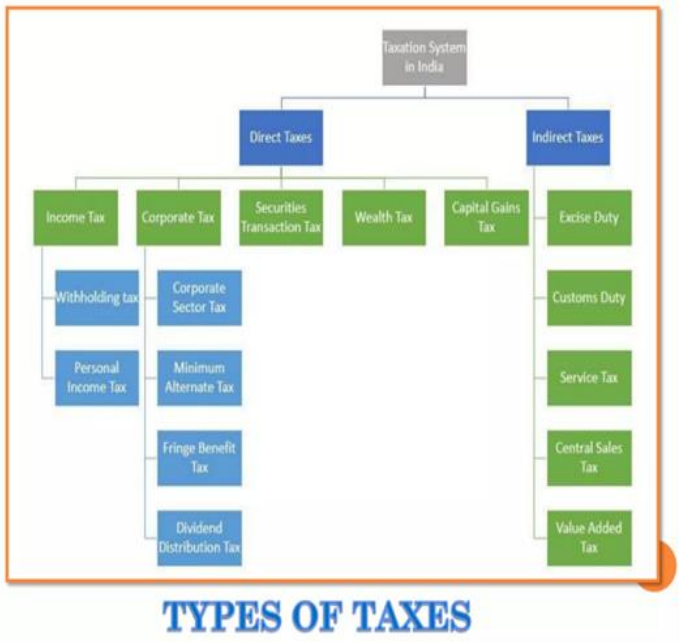

TYPES OF TAXES

➢ **अनुमानों के प्रकार**

- **वास्तविक अनुमान**: पिछले वित्तीय वर्ष के व्यय और प्राप्तियों के आंकड़े।
- **अनंतिम अनुमान**: चालू वित्तीय वर्ष के लिए राजस्व और व्यय का अनुमान।
- **बजट अनुमान**: आगामी वित्तीय वर्ष के लिए राजस्व और व्यय का अनुमान।

➢ **अनुमान लगाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली विधियाँ:**

- **उन्नत अनुमान**: वास्तविक आर्थिक गतिविधियाँ होने से पहले की गई भविष्यवाणियाँ।
- **संशोधित अनुमान:** आर्थिक स्थितियों या वास्तविक आर्थिक प्रदर्शन में परिवर्तन के आधार पर मध्य वर्ष में किए गए समायोजन।
- **त्वरित अनुमान:** समग्र आर्थिक गतिविधि का पूर्वानुमान लगाने के लिए नमूना सर्वेक्षणों से प्राप्त अनुमान।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

संवर्धित बीफ़ कोशिकाएँ

हाल ही में, दक्षिण कोरिया की राजधानी में वैज्ञानिकों की एक टीम चावल के अलग-अलग दानों में संवर्धित बीफ़ कोशिकाओं को इंजेक्ट कर रही है, इस प्रक्रिया से उन्हें उम्मीद है कि दुनिया में खाने के तरीके में क्रांति आएगी।

संवर्धित बीफ़ कोशिकाओं के बारे में:

- संवर्धित बीफ़ कोशिकाएँ, जिन्हें लैब में उगाए गए मांस, सेल-संवर्धित मांस या स्वच्छ मांस के रूप में भी जाना जाता है, जानवरों की कोशिकाओं से प्रयोगशाला में उगाया गया असली मांस है, जिसके लिए जानवरों को मारने की ज़रूरत नहीं होती।
- इस प्रक्रिया में जानवरों की कोशिकाओं का एक नमूना लेना, उन्हें संग्रहीत करना, उन्हें ऑक्सीजन युक्त माध्यम में उगाना, उन्हें काटना और संरचना के लिए पौधे के प्रोटीन या अन्य मचान का उपयोग करके मांस के परिचित टुकड़ों में उन्हें बनाना शामिल है।
- जानवर के शरीर के अंदर पाले जाने के बजाय, यह मांस सेल कल्चर में उत्पन्न होता है।

- इसका स्वाद, गंध, रूप और स्पर्श पारंपरिक पशु मांस जैसा ही होता है और पोषण संबंधी रूप से भी समान होता है।
- नवंबर 2022 में, यू.एस. खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) ने इस प्रक्रिया को मंज़ूरी दी, और निष्कर्ष निकाला कि लैब में उगाया गया मांस खाने के लिए सुरक्षित है।
- ऐसा कहा जाता है कि संवर्धित मांस पर्यावरण और पशुओं के लिए बेहतर है क्योंकि इसके लिए चराई या चारा उगाने के लिए भूमि को साफ करने की आवश्यकता नहीं होती है।
- हालांकि, यह नैतिक, दार्शनिक और धार्मिक प्रश्न भी उठाता है।
- उदाहरण के लिए, धार्मिक अधिकारी अभी भी इस बात पर बहस कर रहे हैं कि क्या संवर्धित मांस कोषेर है, हलाल है या अगर अनुष्ठान प्रथाओं के लिए कोई जानवर उपलब्ध नहीं है तो क्या करना चाहिए।

बायो-बिटुमेन

हाल ही में, भारत ने कृषि अपशिष्ट से बड़े पैमाने पर बायो-बिटुमेन का उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य रखा है।

बायो-बिटुमेन के बारे में:

- बायो-बिटुमेन पारंपरिक पेट्रोलियम-आधारित बिटुमेन का एक टिकाऊ, जैव-आधारित विकल्प है।
- इसे गैर-पेट्रोलियम-आधारित नवीकरणीय संसाधनों का उपयोग करके बनाया जाता है और इसे वनस्पति तेलों, सिंथेटिक पॉलिमर या दोनों से बनाया जा सकता है, जिससे यह दीर्घकालिक रूप से अधिक टिकाऊ मॉडल बन जाता है।
- बायो-बिटुमेन उत्पादन में पारंपरिक बिटुमेन की तुलना में कम कार्बन फुटप्रिंट होता है।
- इसका उपयोग पारंपरिक बिटुमेन में एक योजक के रूप में या बाइंडर मिश्रण में आवश्यक बिटुमेन की मात्रा को कम करने के लिए किया जा सकता है।
- बायो-बिटुमेन के लाभों में आयात में कमी, पराली जलाने की रोकथाम, विदेशी मुद्रा पर पर्याप्त बचत और जैव अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना शामिल है।
- बायो-बिटुमेन का उपयोग मुख्य रूप से सड़क निर्माण (डामर), छत सामग्री और वॉटरप्रूफिंग उत्पादों में किया जाता है।

बकरा नदी

हाल ही में बिहार के अररिया जिले में बकरा नदी पर बने 182 मीटर लंबे पुल का एक हिस्सा ढह गया।

बकरा नदी के बारे में:

- बकरा नदी एक महत्वपूर्ण नदी है जो मुख्य रूप से बिहार राज्य से होकर बहती है।
- यह घाघरा नदी की एक सहायक नदी है, जो स्वयं गंगा की एक प्रमुख बायीं-तटीय सहायक नदी है।
- यह नेपाल की पहाड़ियों से निकलती है और बिहार के चंपारण जिले से होकर बहती है।
- यह जिस क्षेत्र से होकर गुजरती है, उसकी सिंचाई और कृषि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- क्षेत्र की कई नदियों की तरह, बकरा नदी भी जल बंटवारे और प्रबंधन से संबंधित मुद्दों का सामना करती है, जो इसकी सीमा पार प्रकृति के कारण भारत और नेपाल दोनों को प्रभावित करती है।

सुर्खियों में स्थल

थाईलैंड

हाल ही में, थाईलैंड समलैंगिक विवाह को वैध बनाने वाला दक्षिण-पूर्व एशिया का पहला देश बन गया है।

थाईलैंड (राजधानी: बैंकॉक)

अवस्थिति : थाईलैंड दक्षिण-पूर्व एशिया में स्थित एक देश है।

सीमाएँ: थाईलैंड म्यांमार (उत्तर-पश्चिम), लाओस (उत्तर-पूर्व), कंबोडिया (दक्षिण-पूर्व), थाईलैंड की खाड़ी और मलेशिया (दक्षिण), अंडमान सागर (दक्षिण-पश्चिम) के साथ अपनी सीमाएँ साझा करता है।

भौतिक विशेषताएँ:

- थाईलैंड में अंडमान सागर और थाईलैंड की खाड़ी में फुकेत, कोह समुई, कोह फ़ि फ़ि और कोह ताओ जैसे कई द्वीप हैं।
- थाईलैंड का सबसे ऊँचा स्थान दोई इंथानोन है, जो देश के उत्तरी भाग में चियांग माई प्रांत में स्थित है।
- थाईलैंड की प्रमुख नदियों में चाओ फ्राया, मेकांग, माई क्लोंग, नान और पिंग शामिल हैं
- थाईलैंड में आम तौर पर पूरे साल गर्म और आर्द्र मौसम की विशेषता वाली उष्णकटिबंधीय जलवायु होती है।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में किस भारतीय राज्य ने 'मिशन निश्चय' लॉन्च किया है? – **पंजाब**
- अगस्त में, कौन सा देश बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति 2024' की मेजबानी करेगा? – **भारत**
- हाल ही में किस अंतरराष्ट्रीय संगठन ने ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन (GCC) को शहर में स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन प्राप्त करने के लिए समर्थन दिया है? – **विश्व बैंक**
- हाल ही में खबरों में, 'एडीज एल्बोपिक्टस' क्या है? – **मच्छर**
- मत्स्य 6000, जो खबरों में रहा है, किस भारतीय संस्थान द्वारा विकसित किया गया है? – **राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (NIOT), चेन्नई**